



Shiv



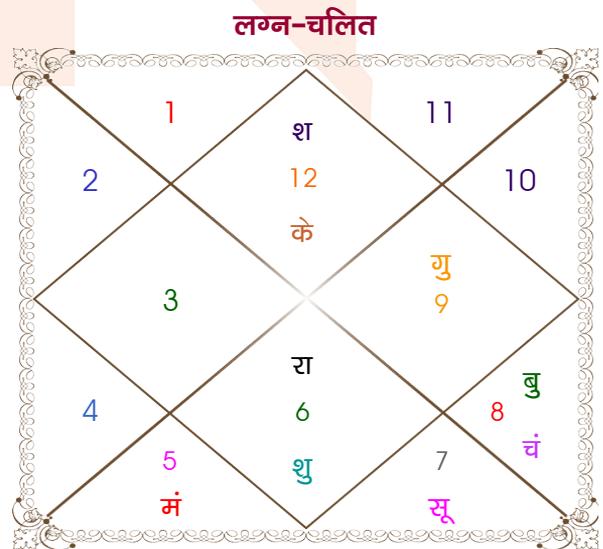
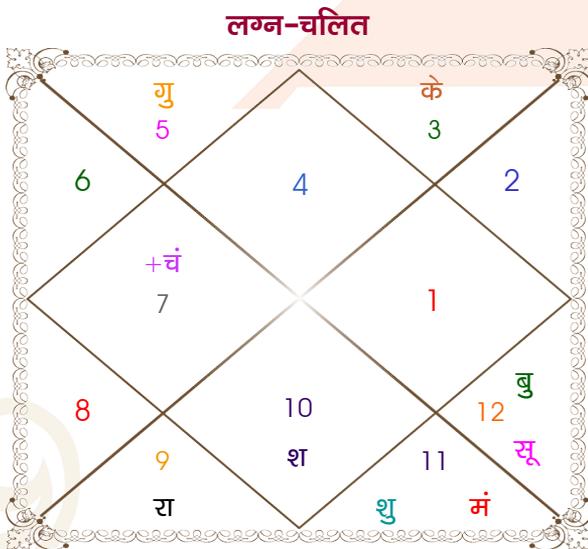
Sushma pandey

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121202607

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
22/03/1992 :	जन्म तिथि	: 12/11/1996
रविवार :	दिन	: मंगलवार
घंटे 13:50:00 :	जन्म समय	: 15:05:00 घंटे
घटी 19:32:10 :	जन्म समय(घटी)	: 22:00:45 घटी
India :	देश	: India
Basti :	स्थान	: Gorakhpur
26:48:00 उत्तर :	अक्षांश	: 26:45:00 उत्तर
82:44:00 पूर्व :	रेखांश	: 83:23:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:56 :	स्थानिक संस्कार	: 00:03:32 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:01:08 :	सूर्योदय	: 06:14:01
18:11:09 :	सूर्यास्त	: 17:07:12
23:45:11 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:48:48

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी		
गुरु 10वर्ष 1मा 17दि	11:40:33	कर्क	लग्न	मीन	18:35:12	शनि 6वर्ष 7मा 0दि		
बुध	08:12:45	मीन	सूर्य	तुला	26:28:14	केतु		
10/05/2021	24:53:24	तुला	चंद्र	वृश्चि	12:02:48	13/06/2020		
10/05/2038	01:47:57	कुंभ	मंगल	सिंह	13:17:17	14/06/2027		
बुध	06/10/2023	15:45:14	मीन व	बुध	वृश्चि	02:36:50	केतु	09/11/2020
केतु	02/10/2024	13:10:10	सिंह व	गुरु	धनु	20:55:20	शुक्र	09/01/2022
शुक्र	03/08/2027	16:33:17	कुंभ	शुक्र	कन्या	23:04:46	सूर्य	17/05/2022
सूर्य	09/06/2028	21:18:28	मक	शनि व	मीन	07:11:19	चन्द्र	16/12/2022
चन्द्र	08/11/2029	11:37:25	धनु व	राहु व	कन्या	13:28:23	मंगल	14/05/2023
मंगल	05/11/2030	11:37:25	मिथु व	केतु व	मीन	13:28:23	राहु	01/06/2024
राहु	25/05/2033	23:52:05	धनु	हर्ष	मक	07:17:55	गुरु	08/05/2025
गुरु	31/08/2035	24:58:18	धनु	नेप	मक	01:32:13	शनि	17/06/2026
शनि	10/05/2038	29:00:13	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	08:41:07	बुध	14/06/2027



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	मृग	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Shiv का वर्ग सर्प है तथा नैऋत चंद्रकमल का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Shiv और नैऋत चंद्रकमल का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Shiv मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम भाव में स्थित है।

अजे लगने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते ।

वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते ।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Shiv कि कुण्डली में अष्टम भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

नैऋत चंद्रकमल मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

वर या कन्या की कुण्डली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुण्डली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल नैऋत चंद्रकमल कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Shiv तथौ नौउं चंदकमल में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

